

दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है

दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,
हर रोज माँ आती हो मैंने शोर मचाया है,
दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,

जो सर याहा झुक जाये कही झुकने नहीं पाये,
तूने अपने बचो को आँचल से लगाया है,
दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,

तेरी लीला ज्वाला माँ ये अजब निराली है,
गिरने वालो को माँ गोदी में उठाया है,
दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,

जो दर तेरे आये है झोली भर लाये है,
दरबार तेरे की माँ ये अजब माया है,
दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,

तेरा लाल राजिंदर भी रहे चरणों में तेरे,
तेरी किरपा से मियां बड़ा नाम कमाया है,
दरबार तेरा दाती निर्धन ने सजाया है,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10024/title/darbar-tera-daati-nirdhan-ne-sajaya-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |